CHAPTER 10

1. छोटा मेरा खेत

2. बगुलों के पंख

PAGE 66, अभ्यास - कविता के साथ

12:1:10:प्रश्न - अभ्यास - कविता के साथ:1

छोटे चौकोने खेत को कागज़ का पन्ना कहने में क्या अर्थ निहित है?

उत्तर: कवि उमाशंकर जोशी ने अपने कर्म यानी कवि-कर्म को किसान का कर्म बताया है। कवि कहता है कि मैं भी एक किसान हूं। उसके पास एक छोटा सा चौकोर खेत है जैसे, मेरे पास यह कागज़ की चादर है। यह एक वर्ग क्षेत्र के समान है। किसान अपने खेत में बीज, पानी और उर्वरक बोता है, और फिर फल, फूल, अनाज आदि उगाता है। इसी तरह, कवि अपने भावों के बीज को एक कागज़ पर बोता है और अपनी कल्पना, कहानी और कविता को एक फसल के रूप में प्राप्त करता है।

12:1:10:प्रश्न - अभ्यास - कविता के साथ:2

रचना के संदर्भ में अंधड़ और बीज क्या हैं?

उत्तर: रचना के सन्दर्भ में 'अंधड़' का तात्पर्य है -भावना का आवेग और 'बीज' का अर्थ है -'विचार व अभिव्यक्ति'।

12:1:10:प्रश्न - अभ्यास - कविता के साथ:3

रस का अक्षयपात्र से कवि ने रचनाकर्म की किन विशेषताओं की और इंगित किया है?

उत्तर: कवि कहते है की कविता रस का अक्षयपात्र होती है । रस के अक्षयपात्र से कवि रचनाकर्म के विभिन्न विशेषतायों का वर्णन किया है । कवि कहते है की कविता आनंद प्रदान करती है तथा कविता का आनंद बहुत ही आत्मीय तथा अधिक समय तक रहता है । एक अच्छी कविता कालजयी होती है। यदि कविता के निर्माण में सौन्दर्य, रस तथा भाव का प्रयोग किया गया है तो वह कभी भी समाप्त नहीं होगा।

12:1:10:प्रश्न - अभ्यास - कविता के साथ:4

व्याख्या करें-

1. शब्द के अंकुर फूटे,

पल्लव-पुष्पों से नमित हुआ विशेष।

उत्तर: कवि उमाशंकर जोशी जी की कविता "छोटा मेरा खेत" में खेती के रूपक की व्याख्या कवि द्वारा की गई है। जिस तरह से पृथ्वी में बीजों को बोया जाता है और उस बीज को विभिन्न रसायनों - वायु, जल आदि को पीकर अलग-अलग अवस्थाओं में जाना जाता है। इसी तरह, जब कवि को एक भावना का बीज मिलता है, तो कवि उसे ग्रहण करता है। फिर बीज से, बीज की कलियाँ उग आती हैं और फिर विशेष भाव के पत्ते और फूल पनपते हैं।

12:1:10:प्रश्न - अभ्यास - कविता के साथ:5

रोपाई क्षण की,

कटाई अनंतता की

लुटते रहने से ज़रा भी नहीं कम होती।

उत्तर: कवि कहता है कि साहित्यिक रचनाओं की सबसे बड़ी

विशेषता यह है कि वे कालजयी हैं। उनमें निहित सौंदर्य, रस और भाव न तो कम होते हैं और न ही नष्ट होते हैं। कवि कहता है कि कवि - रोपाई कार्य में क्षण भर के लिए की जाती है, अर्थात् एक क्षण में भाव बोया जाता है, लेकिन उस भाव से बनी रचना लोगों को अनंत काल तक खुश रखती है। इस फसल की कटाई अनंत काल तक चलती है। इसके रस की जितनी भी मात्रा लुटाई जाए, वह बिल्कुल भी नहीं घटती।

PAGE 66, अभ्यास - कविता के आसपास

12:1:10:प्रश्न - अभ्यास - कविता के आसपास:1
शब्दों के माध्यम से जब कवि दृश्यों, चित्रों, ध्वनि-योजना अथवा रूप-रस-गंध को हमारे ऐन्द्रिक अनुभवों में साकार कर देता है तो बिंब का निर्माण होता है। इस आधार पर प्रस्तुत कविता से बिंब की खोज करें।

उत्तर: इस कविता में निम्नलिखित बिम्बों का निर्माण हुआ है:

(क)चाक्षुप्त बिम्ब:

1.छोटा मेरा खेत चौकोना

2.कागज़ का एक पन्ना

3.कोई अंधड़ कहीं से आया

4.पल्लव-पुष्पों से नमित

5.नभ में पाँती-बंधे बगुलों की पाँखें

6.तैरती सांझ की सतेज श्वेत काया।

(ख) आस्वाद बिम्ब:

1.अमृत धाराएँ फूटतीं

2.कल्पना के रसायनों को पी बीज गया निःशेष।

12:1:10:प्रश्न - अभ्यास - कविता के आसपास:2

जहाँ उपमेय में उपमान का आरोप हो, रूपक कहलाता है। इस कविता में से रूपक का चुनाव करें।

उत्तर:

1.भावों रुपी आंधी।

2.विचार रूपी बीज।

3.पल्लव-पुष्पों से नमित हुआ विशेष।

4.तैरती सांझ की सतेज श्वेत काया।

5.कजरारे बादलों की छाई नभ छाया।